पांचवें वेतन आयोग की सिफरिशों के कारण शासकीय कोष पर पड़ने वाला बोझ

2431.**श्री महेश्वर सिंहः** क्या वित्त मंत्री "25 फरवरी, 1997 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 362 और तारांकित प्रश्न 54 तथा 4 मार्च, 1997 को अतारांकित प्रश्न 1076 के" दिये गये उत्तरों को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि पाचवें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू किये जाने के कारण शासकीय कोष पर कितने व्यय का बोझ पड़ने की संभावना है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम. पी. वीरेन्द्र कुमार) : पांचवें केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू किये जाने पर प्रतिवर्ष 8800 करोड़ रूपए के अतिरिक्त वित्तिय भार पड़ने की संभावना है ।

सरकारी क्षेत्र के बैंकों में अनियमितताओं को नियंत्रित करने हेतु सतर्कता विभाग

2432. **श्री राम जेठमलानी** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैकों में अनियमितताएं नियत्रित करने हेतु अलग से सतर्कता विभाग स्थापित है;

(ख) यदि हां, तो यह विभाग किस स्तर पर कार्यरत है;

(ग) अप्रैल, 1994, 1995 और 1996 में प्रत्येक सरकारी क्षेत्र के बैंक के उपर्युक्त विभाग में कितने- कितने कार्मिक कार्यरत थे; और

(घ) वर्ष 1993-94, 1994-95 और 1995-96 के दौरान प्रत्येक विभाग द्वारा अनियमितता और गबन संबंधी वर्ष-वार कितने मामले पकड़े गये थे तथ कितने मामलों में अपराधियों को दण्डित किया गय?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम. पी. वीरेन्द्र कुमार) (क) से (ग) सरकारी क्षेत्र के सभी बैकों के प्रधान कार्यालय में मुख्य सतर्कता अधिकारी के प्रभार में सतर्कता विभाग है जो सामान्यतया महाप्रबंधक के स्तर का होता है और वह केन्द्रीय सतर्कता आयोग की सहमति से नियुक्त किया जाता है । जबकि अधिकांश बैंकों में निरिक्षण और सतर्कता विभाग मुख्य सतर्कता अधिकारियों के प्रभार में है, कुछ बैंकों में, निरीक्षण को अलग कर दिया गया है और कार्य की प्रमात्रा के कारण पृथक अधिकारी को दे दिया गया है । इसलिए मुख्य सतर्कता अधिकारी के नियंत्रणाधीन विभागों में कार्यरत कर्मकारों की संख्या अलग- अलग होती है । सरकारी क्षेत्र के प्रत्येक बैक में सतर्कता विभाग में कार्यरत कर्मकारों की संख्या से संबंधित सूचना तत्काल उपलब्ध नही है ।

(घ) सरकारी क्षेत्र के 27 बैंको में पता लगाए गए धोखाधडियों की कुल संख्या से संबंधित तत्काल उपलब्ध सूचना, उनमें अन्तर्ग्रस्त राशि और 1993, 1994, 1995 और 1996 **के दौरान धोखाधडियों के लिए दोषी कर्मचारियों के विरूध्द की गई कार्यवाई की सूचना नीचे दी गई है**:-

	1993	1994	1995	1996
1. धोखाधडियों की संख्या	2213	2266	1898	1491 (सित. तक)
2. अंतर्ग्रस्त राशि (करोड़ रू. में)	320.32 †युगांडा शिलिंग	200.08 9844000	115.51	264.21 (सित. तक)
3. दोषी ठहराये गए कर्मचारियों की सं.	57	50	33	08 (जून तक)
4. उन कर्मचारियों की संख्या जिन्हें बडा, छोटा दण्ड दिया गया		1248	1160	585 (जून तक)
5.बर्खास्त/हटाए गए/ निकाले गए कर्मचारियों की संख्या	312	360	301	146 (जून तक)